मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 201, मुंबई, सोमवार, 19 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

मुंबईः स्लम में मिला नकली नोटों का जखीरा

मानखुर्द से 7 लाख से ज्यादा की करेंसी जब्त

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के झोपड़पट्टी में जाली नोट छापे जा रहे थे। मानखुर्द इलाके में पुलिस को एक घर में जाली नोट छापे जाने की सूचना मिली थी। एक स्लम के मकान में 50 ,100 और 200 रुपये के नकली नोट बनाए जा रहे थे। पुलिस ने मकान में रेड की तो नोट छापने के लिए इस्तेमाल में लाए जाने वाले सामान बरामद हुए। यहां मारी गई रेड में कुल 7 लाख 16 हजार 150 रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं। इस मामले में आरोपी रोहित शाह को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में मुंबई की मानखुर्द पुलिस ने जिस शख्स को गिरफ्तार किया है, उसकी उम्र 22 साल है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

200, 100, 50 के नोटों की शुरू थी छपाई, लैपटॉप, प्रिंटर भी जब्त

15 लाख रुपए का इनामी नक्सली नालासोपारा से गिरफ्तार

झारखंड का रहने वाला है नक्सली

मुंबई। 15 लाख का एक इनामी नक्सली गिरफ्तार किया गया है। उसे मुंबई से सटे नालासोपारा से गिरफ्तार किया गया है। यह नक्सली झारखंड के हजारीबाग का रहने वाला है। रविवार, 18 सितंबर महाराष्ट्र एटीएस की कार्रवाई में यह नक्सली पकड़ा गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

इलाज के लिए झारखंड से आया था, नालासोपारा में छुपकर रह रहा था

वेदांत प्रोजेक्ट गुजरात जाने के साथ शिंदे सरकार का और एक फैसला

12 हजार करोड़ का निवेश अधर में लटका

मुंबई। वेदांत-फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट गुजरात चले जाने से महाराष्ट्र को पहले ही 1 लाख 54 हजार करोड़ का निवेश गंवाना पड़ा है, राज्य अभी यह झटका झेल कर उबर भी नहीं पाया है कि और 12 हजार करोड़ का निवेश अधर में लटकता हुआ दिखाई दे रहा है। शिंदे-फडणवीस सरकार के एक फैसले की वजह से यह हुआ है। दरअसल यह नई सरकार आघाड़ी सरकार में पास हुए कई फैसलों और प्रोजेक्ट्स को रोक दे रही है और उनकी सारी प्रक्रियाओं सो फिर से शुरू करने की नीति पर चल रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'मैं असली शिवसेना का प्रमुख हूं'

ठाकरे 21 सितंबर को शिवसेना के पदाधिकारियों से करेंगे मुलाकात

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह उस 'असली' शिवसेना के प्रमुख हैं, जिसकी स्थापना चार पीढ़ियों के सामाजिक कार्यों से हुई है। यहां शिवसेना भवन में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि शिवसेना को छीना या खरीदा नहीं जा सकता। ठाकरे ने कहा कि पहले भी फूट डालकर और दलबदल के जरिये शिवसेना को कमजोर करने के प्रयास किये गये थे, जो विफल रहे थे और ये प्रयास अब भी सफल नहीं होंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

समरकंद में भारत

उज्बेकिस्तान की राजधानी समरकंद में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के अनेक क्षेत्रीय और वैश्विक निहितार्थ हैं। आने वाले दिनों में इस सम्मेलन की गूंज वैश्विक कूटनीति में महसूस हो सकती है। एक ही सम्मेलन में हमलावर रूस, साम्राज्यवादी चीन, अडिग ईरान, विशाल उभरते भारत और दर-दर मदद मांगते पाकिस्तान की मौजूदगी पर बहुत से देशों की नजर होगी। विशेष रूप से अमेरिका और नाटो के देशों की इस पर पैनी निगाह होगी। दूसरी ओर, एक हद तक अलग-थलग पडे.पुतिन इन दिनों विश्व स्तर पर मंच खोज रहे हैं, जो उन्हें शंघाई सहयोग संगठन से बेहतर कहीं और नहीं मिल सकता। वह अवश्य दशार्ना चाहेंगे कि चीन और भारत जैसे विशालकाय देश उनके साथ खड़े हैं। लगभग 18 देशों के इस सहयोग संगठन को अपने खेलों का आयोजन करने की सलाह देकर पुतिन ने यह बताने की कोशिश की है कि इस संगठन का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। क्या आर्थिक सहयोग से आगे बढ़कर ये देश सोचने लगे हैं? क्या इन देशों में आर्थिक सहयोग को लेकर कोई शिकायत नहीं रही? सच यह कि किसी भी अन्य प्रकार के सहयोग को विस्तार देने से पहले इस संगठन के देशों को ईमानदारी से आर्थिक सहयोग को मजबूत बनाना चाहिए। बहरहाल, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया है कि एससीओ के सदस्य देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं और विश्व की 40 प्रतिशत आबादी इन देशों में निवास करती है। भारत एससीओ सदस्यों के बीच अधिक सहयोग और आपसी विश्वास का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री ने इन देशों के बीच बेहतर आपूर्ति श्रृंखला बनाने की यथोचित पैरवी की है। हालांकि, यह काम बहुत कठिन है। पाकिस्तान जहां हमें सामरिक रूप से तनाव दे रहा है, वहीं चीन के निशाने पर हमारी समग्र अर्थव्यवस्था भी है। यही कारण है कि चीन नीति के तहत भारत को आत्मनिर्भर बनने से रोकना चाहता है। चीन पहले से दुनिया का मैन्युफेक्चरिंग हब है और भारत अब उभरने की घोषणा कर रहा है। भारत का बाजार एससीओ के देशों में फैले, तो भारत को लाभ है। पर सच्चाई यह है कि दर-दर मदद मांग रहा पाकिस्तान भी भारत के प्रति अनुकूल रवैया रखने के लिए तैयार नहीं है। फिर सवाल यहीं आकर अटक जाता है कि भारत ऐसे संगठन से दिलोजान से कितना जुड़े, जिसके कुछ सदस्य देश आतंकवाद के प्रत्यक्ष या परोक्ष पक्षधर हैं? गौर कीजिए, चीन या पाकिस्तान के शासनाध्यक्षों के साथ प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात नहीं हुई है। प्रधानमंत्री ने इन दोनों देशों के नेताओं से दूरी बरतते हुए अपना साफ संदेश दे दिया है। बंदूकें और बातचीत एक साथ कैसे चले? भारत यदि चीन को आतंकवाद का दर्द दे रहा होता, तो चीन के नेता क्या करते? अतः हैरत की बात नहीं कि समरकंद में मंच पर मोदी और जिनपिंग अगल-बगल ही खड़े दिखे, पर दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाए और न मुस्कराए। यह दूरी तो चीन को ही दूर करनी पड़ेगी। क्या रूस इसके लिए चीन को मनाएगा और चीन आगे बढ़कर पाकिस्तान को सही राह दिखाएगा? वैसे विश्व राजनय में ऐसी भावुक उम्मीदों का स्थान नहीं होता, ज्यादातर देश या कारगर संगठन आर्थिक स्वार्थ से ही संचालित होते हैं। भलाई इसी में है कि भारत भी अपने आर्थिक हित को सबसे ऊपर रखे और आतंकवाद पर अपनी नाखुशी का इजहार करते हुए दबाव बनाए रहे।

शी जिन, पुतिन, मोदी में से कौन शातिर ?

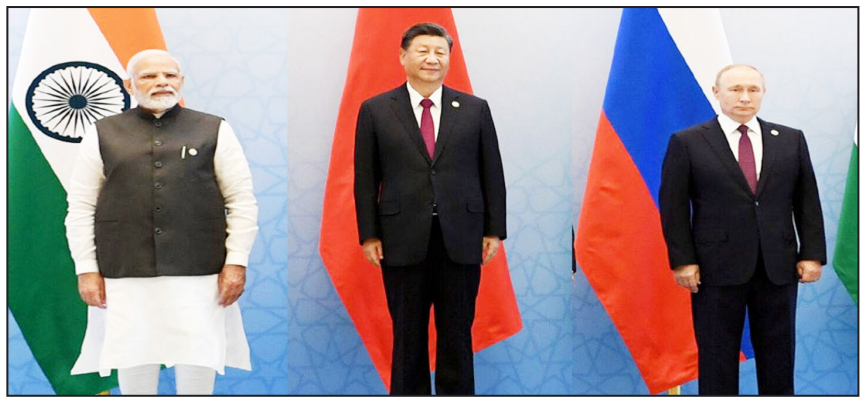

जवाब है चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग। प्रमाण है शंघाई सहयोग संगठन याकि एससीओ की बैठक। किसने यह संगठन बनाया? सन् 2001 में चीन की पहल पर बना। क्यों? ताकि सोवियत संघ से अलग हुए चार मध्य एसियाई देश उसकी गिरफ्त में आए। ये देश पश्चिमी देशों के बहुपक्षीय मंच में नहीं बंधे। फिर चीन ने रूस, पाकिस्तान, ईरान और भारत को भी परस्पर सहयोग के हवाले जोड़ा। जाहिर है राजनीति के साथ व्यापार और कारोबारी धंधे का एक चीनी ताना-बाना। जैसे भारत ने अपनी धुरी पर सार्क बनाया था और क्षेत्रिय हित सोचे वैसे चीन ने मध्य एसिया का तानाबना बनाया। सार्क जहां भारत की असफलताओं की झांकी है वही एससीओ चीन के वर्चस्व का प्रमाण। इसके सदस्यों देशों को एक-एक करके देखे तो सभी देश चीन के आश्रित बाजार है। चीन और उसके राष्ट्रपति शी जिन पिंग इनके बिग बॉस!

संगठन के महाशक्ति देश रूस पर गौर करें। रूस राष्ट्रपति पुतिन ने बैठक से अलग शी जिन पिंग से मुलाकात की और उन्होंने शी जिन पिंग के आगे यूक्रेन पर हारने की खबरों पर सफाई दी। मामूली बात नहीं है जो पुतिन ने खुद 15 सिंतबर की मुलाकात से ठिक पहले कहा कि यूक्रेन की स्थिति को लेकर चीन 'चिंता में और सवाल' लिए हुए है। आज की मुलाकात में हम हमारी पोजिशन को एक्सपेलन करेंगे! क्या यह शी जिन पिंग की शातिरता का प्रमाण नहीं है? शी जिन पिंग के दोनों हाथों में लड्डू है। पुतिन अब और उन पर और अधिक आश्रित। वह रूस से सस्ता तेल और गैस लेता हुआ है तो उसे सामान बेचता हुआ भी। अपनी करेंसी को रूस में भरते हुए। रूस के पूरे प्रभाव क्षेत्र में अलग उसकी और दादागिरी। बेलारूस के राष्ट्रपति ने भी आ कर चीन का अहसान जताया। एसीसीओ संगठन के सदस्य देश उजबेकिस्तान, कजाखिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, पाकिस्तान के साथ रूस और नए सदस्य ईरान पर भी शी जिन पिंग की गॉड फादर वाली हैसियत।

तभी सवाल है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यदि समरकंद जा कर चाईनीज वर्चस्व के एससीओ की बैठक में शरीक हुए है तो क्या सोचकर? क्या वे शी जिनपिंग से अधिक शातिर है। क्या लद्दाख के दो इलाकों में चीनी और भारतीय सैनिकों के पीछे हटने की सहमति चीन का झुकना है? शी जिन पिंग को पटा कर क्या प्रधानमंत्री मोदी बाकि जगह से भी क्या चीनी सैनिकों को पीछे हटवा देंगे? भारत से क्या शी जिनपिंग डर गए है। क्या वे ठान बैठे है कि वे अमेरिका-जापान याकि पश्चिमी देशों के साथ भारत का एलायंस नहीं होने देंगे। चीन ने भारत का महत्व माना है? इसलिए सीमा पर उसका रूख बदलेगा? संदेह नहीं कि सीमा के दो इलाकों पर सैनिकों के आमने-सामने के गतिरोध को खत्म करने का चीन का फैसला एससीओ की बैठक में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति के लिए था। क्यों? ताकि अमेरिका, योरोप, जापान, आस्ट्रेलिया को मैसेज हो कि भारत उनका वैसा साथी नहीं है जैसा वे मानते है। भारत को चीन न्यूट्रल बनाए रख सकता है। रोके रक सकता है। आने वाले सालों में ताईवान और हिंद प्रशांत क्षेत्र में जब वह दादागिरी दिखाएगा, इलाका वैश्विक शक्ति परीक्षण का सेंटर होगा तो भारत वैसे ही चीन के साथ रहेगा जैसे हाल में वह यूक्रेन के मामले में रूस के साथ रहा।

इससे भविष्य में चीन को सबसे बड़ा क्या लाभ? भारत न इधर का रहेगा और न उधर का। दुनिया कंफ्यूज रहेगी। खुद भारत और उसके लोग चीन के दीर्घकालीन इरादों को ले कर कंफ्यूज बने रहेंगे। एक तरफ पूर्वोत्तर भारत, अरूणाचल प्रदेश से लद्दाख तक चीन पक्की सैनिक तैयारियों, ठोस इंफास्ट्रक्चर बनाता रहेगा और भारत उस पर भरोसा किए हुए। क्या इस चालबाजी को विदेश मंत्री जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं बूझते होंगे? निश्चित ही समझते है। लेकिन करे तो क्या करें? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जयशंकर और भारत के हम लोग आज में याकि सिर्फ वर्तमान में जीते है। इसलिए जैसे पुतिन की आज शी जिन पिंग पर निर्भरता है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी निर्भरता है, मजबूरी है कि कि चीन से व्यापार भी चले और जनता में चीन से कूटनीति में जीतने का स्वांग भी बनाए रखे। मैं यह स्वांग ही है, छल है जो भारतीय सैनिकों की अप्रैल-2020 तक जो सीमा पेट्रोलिंग की रेखा थी उससे भारत पीछे हट रहा है। अब हमारे सैनिक अप्रैल 2020 के इलाके तक पेट्रोलिंग नहीं करेंगे। यह वैसी स्थिति है कि कोई आपके या मेरे घरकी बाउंड्री में घुस आए, कब्जा करें और फिर हम यह समझौता मानें कि बाउंड्री का इलाका ने मेरा और न उनका। चीन के शी जिप पिंग की हमें यह मेहरबानी समझ आ रही है कि वे सेना को पीछे हटने के लिए कह रहे है। हालांकि शर्त यह कि भारतीय सैनिक अप्रैल-2020 की निशानी तक पेट्रोलिंग नहीं करेंगे! तो कौन शातिर? कौन झुका? कौन अपने कब्जे की जमीन गंवाते हुए? भारत ने गंवाई है या नहीं? क्या भारत की सरकार और भारतीयों का दिमाग यह सोचने में भी समर्थ नहीं है कि दो साल पहले हमें चीन ने पीछे धकेला तो वहां से धकेले रहना जीत है या हार? भारत की सेना अपने इलाके से छिंटक रही या चीन? वह तो भारत की जमीन कब्जाए हुए या उसके इलाके से पीछे हटाते हुए? और साथ में अपने इलाकें में सड़क-कैंप- ब्रिज आदि का जबरदस्त इंफ्रास्ट्रक्चर बनाते हुए।

भारत की समरकंद में गुट-सापेक्ष्यता

समरकंद में हुई शांघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में यदि चीन के नेता शी चिन फिंग और पाकिस्तान के नेता शाहबाज शरीफ से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत वार्ता हो जाती तो उसे बड़ी सफलता माना जाता लेकिन उजबेक, ईरान, रूस और तुर्कीए के नेताओं से हुई उनकी मुलाकातें काफी महत्वपूर्ण रहीं। अब भारत इस वर्ष इस संगठन की अध्यक्षता भी करेगा। अध्यक्ष के नाते अब उसे अन्य सदस्य राष्ट्रों के साथ-साथ चीन और पाकिस्तान से भी सीधी बात करनी होगी। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवादी घटनाओं को रोकना है। इसके लगभग सभी देश आतंकवाद से त्रस्त हैं लेकिन सच्चाई तो यह है कि इस संगठन ने आतंकवाद के विरुद्ध प्रस्ताव तो बहुत पारित किए हैं लेकिन आज तक ठोस कदम कोई नहीं उठाया है। इसके बावजूद इस संगठन के शिखर सम्मेलनों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके जरिए इसके सदस्य-राष्ट्रों के द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनते हैं। उदाहरण के लिए तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तय्यब एर्दोअन के साथ हुई मोदी की भेंट का विशेष महत्व है, क्योंकि उन्होंने कश्मीर के सवाल पर भारत के विरुद्ध संयुक्तराष्ट्र संघ और पाकिस्तानी संसद में बड़े कटु शब्दों का प्रयोग किया था। इस भेंट में दोनों देशों के बीच व्यापार आदि बढ़ाने पर बात हुई। इसी प्रकार रूसी नेता व्लादिमीर पूतिन से हुई भेंट में भारत-रूस संबंधों की बढ़ती हुई घनिष्टता पर जमकर विचार हुआ। पूतिन ने मोदी को जन्मदिन की अग्रिम बधाई दी। मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को बंद करने की वकालत की। इसी तरह मोदी ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से भी पहली बार मिले। दोनों ने चाहबहार के बंदरगाह की प्रगति के बारे में बात की। दोनों के बीच अफगानिस्तान में शांति-स्थापना के बारे में भी बात हुई। दोनों नेताओं ने मध्य और दक्षिण एशिया के राष्ट्रों के बीच आवागमन और परिवहन को सरल और सुलभ बनाने पर भी बात की। मोदी ने अपने भाषण में इस सम्मेलन में आए नेताओं को भारत की आर्थिक उपलब्धियों से अवगत करवाया और संकट में फंसे पड़ौसी राष्ट्रों को भारत द्वारा दी गई मदद का भी जिक्र किया। लेकिन आश्चर्य है कि इस संगठन ने भयंकर विनाश में फंसे पाकिस्तान की मदद का कोई संकल्प नहीं दिखाया। वह भी तब जबकि शाहबाज शरीफ ने खुले-आम अपनी दुर्दशा का वर्णन किया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा दाभोलकर स्थित जाने वाला सड़क बना गड्ढों का अड्डा

शहर में गड्ढों के कारण घंटों ट्रैफिक जाम, यात्री पैदल घर जाने पर मजबूर

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा दाभोलकर स्थित जाने वाली सड़क पर और शहर में गड्ढों के कारण प्रतिदिन ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है आपको बताते चल किस्मत कॉलोनी, कौसा कब्रिस्तान,कादर पैलेस, भारत गियर सड़क पर भारी मात्रा में गड्ढों के कारण सभी वाहनों को धीमी रफ्तार से चलना पड़ता है एक तो सड़क छोटी होने के कारण और उस पर से दो तरफा आवाजाही से काफी ट्रैफिक जाम की समस्य उत्पन्न हो रही है जिसके चलते प्रतिदिन अपने कामकाज के लिए मुंबई जाना वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सुबह के वक्त सभी लोगों को अपने कामकाज के लिए मुंबई की ओर प्रस्थान करना पड़ता है जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं लेकिन गड्ढों के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है जिससे रिक्शा वाली भी यात्रियों को ले जाने में काफी आनाकानी करते हैं और तो और जब श्याम के वक्त यात्री अपने कामकाज से थककर दो घंटे का सफर काटकर अपने घर जाने के लिए रिक्शे का इंतजार करते हैं तो समझ लो उनको वहां पर दो घंटा और इंतजार करना पड़ता है यात्रियों की काफी लंबी कतार लगानी होती है रिक्शा पकड़ने के लिए क्योंकि कई रिक्शा चालक तो बाहर से ही यूटन मार लेते हैं स्टैंड पर जाते ही नहीं है घंटों इंतजार करने के बाद कहीं जाकर रिक्शा मिलती हैं और जब रिक्शा मिलती है तो सड़क पर पड़े गड्ढों के कारण ट्रैफिक जाम लग जाता है और घर पर पहुंचने मे रोजाना देरी हो जाती है फिलहाल मुंब्रा शहर में सड़क के गड्ढों के कारण रोजाना मुंबई आने जाने वाले

यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और उसमें कई यात्री बेचारे पैदल ही घर चले जाते हैं जबकि मुंब्रा शहर में काफी तादाद में वेद अवैध रिक्शा मौजूद है लेकिन रिक्शा वाले भी कौसा की तरफ रात के समय जाने में साफ मना कर देते हैं और कारण ट्रैफिक जाम का बता देते है हालांकि रिक्शावाले भी कुछ हद तक गलत नहीं है ट्राफिक के कारण डीजल पेट्रोल गैस बर्बाद होती है किराया तो यात्री उतना ही देगा जो होता है लेकिन रिक्शा वाले को दिक्कतों के साथ में नुकसान भी उठाना पड़ता है और शायद यही कारण है रात के समय काफी रिक्शे वाले यात्रियों को ले जाने में आनाकानी करते हैं गौरतलब बात तो यह है जिस तरह से ट्राफिक जाम रहता है और रोजाना मुंबई आने जाने वाले यात्रियों को जिसमें महिलाएं भी काफी तादाद में शामिल है उनको दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है आखिर इसका मुख्य कारण सड़कों पर गड्ढे ऊपर से बारिश हैं तो इस समस्या का समाधान कोन करेगा मनपा प्रशासन की पीडब्लूडी द्वारा सड़कों पर पड़े खड्डे को खानापूर्ति करते हुए घटिया सामग्री से भर दिया जाता है जो चंद दिनों में फिर वही हाल हो जाता है बड़े अफसोस के साथ में कहना पड़ता है जिस तरह से मनपा प्रशासन द्वारा मुंब्रा शहर की जनता से टैक्स वसूली किया जाता है समय पर टैक्स जमा नहीं करने पर दुगना तिगना ब्याज दर ब्याज लगाया जाता है और जनता से वसूली की जाती है किसी कारणवश नहीं भरने पर घर का सामान जप्त किया जाता है या तो फिर घर को सील करने की प्रक्रिया भी की जाती है लेकिन मनपा प्रशासन जिस तरह से जनता से टैक्स की वसूली करती है क्या उनको सुविधाएं प्रदान करती है नहीं यह सोचने वाली बात है इससे यह साफ समझा जा सकता है मुंब्रा शहर की जनता के साथ में सौतेला व्यवहार किया जा रहा है और सिर्फ कमाई की जा रही है और इसका जिम्मेदार सिर्फ हमारे शहर के नेता हैं जो सिर्फ अपनी जेब भरने में लगे हैं आलीशान बंगले और गाड़ी बनाने में लगे हैं उन नेताओं को सिर्फ जनता के वोट चाहिए जनता को सुविधाएं प्रदान करने में वह सक्षम नहीं है सिर्फ जनता को शहर के नेता द्वारा बाबाजी का ठुल्लू ही दिया गया है तो हम मनपा प्रशासन की पीडब्लूडी विभाग से निवेदन करते हैं जल्द से जल्द गड्ढों को अच्छी सामग्री के साथ में भरा जाए ताकि शहर में हो रही ट्रैफिक जाम की समस्या का कुछ हद तक निवारण निकल सके और रोजाना मुंबई कामकाज पर आने जाने वालों लोगों को राहत मिल सके।

लिफ्ट और दीवार के बीच फंस कर महिला टीचर की मौत, मुंबई के स्कूल में दर्दनाक हादसा

मुंबई। मुंबई के मालाड इलाके के एक स्कूल में शुक्रवार को एक 26 साल की शिक्षिका की लिफ्ट में फंसने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल जेनेले फर्नांडीस को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह घटना मुंबई के मालाड पश्चिम में चिंचोली फाटक के पास स्थित सेंट मैरी इंग्लिश स्कूल में हुई। फर्नांडीस ने जून 2022 में स्कूल ज्वाइन किया था। उन्होंने सहायक शिक्षक के पद पर काम किया। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे यह हादसा हुआ। स्कूल टीचर ने दोपहर एक बजे स्कूल की इमारत की छठी मंजिल पर क्लास खत्म की। इसके बाद वह दूसरी मंजिल पर स्थित

स्टाफ रूम में जाना चाहती थी। इसलिए लिफ्ट के अंदर जाने के बाद उन्होंने लिफ्ट का बटन दबा दिया। लेकिन दरवाजा बंद होने से पहले ही लिफ्ट ऊपर की तरफ बढ़ती रही। ऐसे में उनकी एक टांग लिफ्ट के बाहर थी और एक टांग अंदर। वह पूरी तरह से लिफ्ट के अंदर घुस ही नहीं पाई थी कि लिफ्ट सातवीं मंजिल की ओर जाने लगी। इस वजह से वह लिफ्ट और लिफ्ट से सटी दीवार के बीच फंस गई। लिफ्ट में फंसने के बाद उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। आवाज सुनकर स्कूल के स्टाफ लिफ्ट की तरफ भागे। तब तक वह बुरी तरह घायल हो चुकी थी। उन्हें स्कूल स्टाफ ने तुरंत पास ही मौजूद लाइफलाइन अस्पताल पहुंचाया। लेकिन अस्पताल में डॉक्टर ने चेक अप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को इस हादसे की सूचना दी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई की झोपड़पट्टी में छापे जा रहे जाली नोट

वह एक निजी कंपनी में सेल्समैन का काम करता है। लेकिन यह काम तो लोगों को दिखाने और बताने के लिए है। असल में वो चुपचाप जाली नोटों को छापने और उसे मार्केट में चलाने का धंधा कर रहा था। आरोपी रोहित मनोज शाह मुंबई के कांदिवली इलाके का रहने वाला है। उसने मानखुर्द में नकली नोटों की छपाई का सेट अप तैयार कर रखा था। आरोपी को नकली नोटों के धंधे से जुड़े आईपीसी की सेक्शंस के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस मामले में जानकारी देते हुए कहा है कि उन्हें मानखुर्द के स्लम एरिया के एक मकान में 100,200 और 50 रुपए के नकली नोट छापे जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद मुंबई की मानखुर्द पुलिस फौरन हरकत में आई और संबंधित मकान में छापेमारी की तो सात लाख रुपए से ज्यादा के नकली नोटों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस ने छापेमारी कर नोटों का बड़ा जखीरा बरामद कर लिया है। इस छापेमारी के बाद पुलिस को 7 लाख 16 हजार 150 रुपए की फेक करेंसी हासिल हुई। साथ ही पुलिस ने कमरे के अंदर से जाली नोट छापने के लिए इस्तेमाल में लाए जाने वाले लैपटॉप और प्रिंटर को भी जब्त कर लिया। आरोपी रोहित मनोज शाह से पूछताछ शुरू है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रहीहै कि वो कितने समय से इस काले कारोबार से जुड़ा हुआ है।

15 लाख रुपए का इनामी नक्सली नालासोपारा से गिरफ्तार

महाराष्ट्र एटीएस ने मुंबई से सटे नालासोपारा के धानिव बाग राम नगर इलाके में रेड की। रेड में एटीएस ने इस करु हुलस यादव नाम के नक्सली को गिरफ्तार किया। यह झारखंड में सक्रिय है और 2004 से ही बैन माओवादी संगठन का सदस्य है। उसके खिलाफ कई केसेस दर्ज हैं। हुलस यादव अब तक 30 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुका है। महाराष्ट्र एटीएस ने झारखंड पुलिस को इसकी गिरफ्तारी की सूचना दे दी है।आरोपी से पूछताछ की जा रही है। वह इलाज के लिए मुंबई आया था और नालासोपारा में छिपकर रह रहा था। एटीएस के मुताबिक 2004 में सीपीआई जॉइन करने के बाद आरोपी ने कई घटनाओ को अंजाम दिया। आज सुबह महाराष्ट्र एटीएस ने एक खास ऑपरेशन को अंजाम दिया। एटीएस की टीम ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के नालासोपारा पूर्व के रामनगर में छापे मारे। यहां धन्वी चॉल में मारे गए छापे में नक्सली करु हुलस यादव को पहले हिरासत में लिया गया और फिर पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। करु हुलस यादव प्रतिबंधित माओवादी संगठन सीपीआई (माओइस्ट) के झारखंड राज्य की क्षेत्रीय समिति का सदस्य है। गिरफ्तारी किए गए नक्सली की उम्र 45 साल है। यह इनामी नक्सली झारखंड के हजारीबाग जिले के कडकमसंडी तहसील के डोडगा गांव का रहने वाला है। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह 2004 से ही प्रतिबंधित माओवादी ग्रुप का सक्रिय सदस्य रहा है। उस पर 15 लाख रुपए का इनाम रकी ओर से हुलस यादव से पूछताछ शुरू है। उसके पास से कुछ दस्तावेज भी बरामद होने की खबर है। इस बीच एटीएस की टीम ने झारखंड पुलिस को इस इनामी नक्सली की गिरफ्तारी की सूचना दे दी है। झारखंड पुलिस से महाराष्ट्र पुलिस को इसकी टिप मिली थी कि एक इनामी मुंबई में इलाज करवाने के मकसद से आया हुआ है और नालासोपारा इलाके में ठहरा है। इसके बाद एक खास ऑपरेशन को अंजाम देकर महाराष्ट्र एटीएस ने इस खूंखार नक्सली को गिरफ्तार कर लिया।

वेदांत प्रोजेक्ट गुजरात जाने के साथ शिंदे सरकार का और एक फैसला

एमआईडीसी के भूमि वितरण के फैसले को भी स्थगित किया गया है। इस फैसले से 12 हजार करोड़ के निवेश के अधर में लटकने की खबर सामने आ रही है। ऐसे 191 जमीनों के वितरण की सारी प्रक्रियाएं फिर से पूरी की जाएंगी। मंत्रालय के सूत्रों से मिला जानकारियों के मुताबिक इससे हजारों करोड़ का निवेश लटक जाएगा। राज्य में शिंदे-फडणवीस सरकार के अस्तित्व में आने के बाद 8 अगस्त को राज्य के अलग-अलग औद्योगिक विकास महामंडल से जुड़ी जमीनों के वितरण पर भी रोक लगा दी गई। इसके 16 अलग-अलग विभागों के कार्यालयों और उनके अंडर में आने वाले स्थानीय कार्यालयों की तरफ से 1 जून से भूमि वितरण शुरू किए जाने का कार्यक्रम था। इन पर अब रोक लग चुकी है।

मैं 'असली' शिवसेना का प्रमुख हूं: उद्धव ठाकरे

शिवसेना प्रवक्ता एवं लोकसभा सदस्य विनायक राउत ने बताया कि ठाकरे ने पार्टी पदाधिकारियों से जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और पार्टी संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देने को कहा। ठाकरे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि शिवसेना की वार्षिक दशहरा रैली मुंबई के शिवाजी पार्क में पारंपरिक स्थान पर ही होगी और उनसे इस आयोजन के लिए तैयार रहने को कहा।

◆ मुंबई, भारतीय जनता पार्टी वरली विधानसभा वार्ड क्रं 193 में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पावन अवतरण दिवस पर मधुमेह व ब्लडग्रुप जाँच के शिविर का आयोजन वार्ड अध्यक्ष पद्माकर चव्हाण के नेतृत्व में किया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन वरली विद्यानसभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी ने किया। उक्त शिविर में वार्ड 193 परिसर के 500 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। शिविर को सफल बनाने में वार्ड महामंत्री गणेश शेलार चित्रा नाविक सहित वार्ड के तमाम पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं ने सराहनीय योगदान दिया।

'वृक्ष वातावरण को शुद्ध करने के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं'

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर बोरेश्वर धाम पर वृक्षारोपण किया। जिला भिंड भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर और हरा-भरा मध्यप्रदेश कार्यक्रम के तहत युवा मोर्चा सुरपुरा मंडल अध्यक्ष नीरज पांडे के नेतृत्व में बोरेश्वर धाम पर वृक्षारोपण किया गया। जिसमें युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पहले बोरेश्वर धाम पर पूजा अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लंबी आयु की कामना की और हरा- भरा मध्य प्रदेश कार्यक्रम के तहत बोरेश्वर धाम सहित अन्य स्थानों पर पर 101 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि आज खुशी का दिन

है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस है, मोदी जी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। हमें गर्व होता है कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने आज विश्व के पटल पर हमारे देश की अमिट छाप बनाई है और पाठक ने कहा कि हरा -भरा मध्य प्रदेश कार्यक्रम के तहत आज युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ वृक्षारोपण किया, वृक्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वृक्ष हमारे वातावरण को शुद्ध करने के साथ ही पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में विशेष भूमिका निभाते हैं। निरंतर बढ़ते प्रदूषण सूखा, बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करते हैं। युवा मोर्चा सुरपुरा के मंडल अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सकारात्मक विचारों के साथ हर पल देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए और दुनिया में देश का मान बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं और वृक्ष पर्यावरण को सिर्फ हरा-भरा ही नहीं रखते बल्कि अनेक प्रकार की फल फूल व औषधि व ऑक्सीजन भी प्रदान करते हैं। इसीलिए वृक्ष को शास्त्रों में पुत्र की संज्ञा दी गई है। इस अवसर पर पुजारी अनूप गोस्वामी, रामू पांडे, सनी बुधौलिया, अरुण करैया, नवाब खान, विष्णुदत्त पांडे, रविकांत पांडे, आमोद मिश्रा, जितेंद्र गोस्वामी, धर्मेंद्र पांडे, रंजीत पांडे आदि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर किया गया महाआरोग्य शिविर का आयोजन

मुंबई। 17 सितंबर 2022 के दिन, द हुमन योगा फाउंडेशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी वार्ड अध्यक्ष जितेंद्र झा द्वारा किया गया कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम में महाआरोग्य शिविर का कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम में आर.आर.ए.पी केंद्रीय आयुर्वेदिक अनुसंस्थान पोदार हॉस्पिटल मुंबई के सहयोग से वर्ली करो को आयुर्वेदिक आरोग्य केंद्र में पूरा शरीर को मेडिकल चेकअप किया गया। पूरे शरीर की जांच करके जनता को दवाइयां दिया गया, कार्यक्रम बहुत ही अच्छा चलता रहा भारतीय जनता पार्टी वर्ली विधानसभा वार्ड क्रमांक 196 , वा, द हुमन योगा फाउंडेशन के अंतर्गत कार्यक्रम को संबोधित किया गया कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि के रूप में श्रीकांत भारतीय जी भारतीय जनता पार्टी के आमदार विधानसभा परिषद उपस्थित होकर कार्यक्रम का शोभा बढ़ाया, योगा ग्रैंड मास्टर योग गुरु राधे श्याम के मार्गदर्शन में मेडिकल फ्री करवाया गया केंद्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान

के डॉक्टर श्री डॉक्टर काले सर डॉक्टर लक्ष्मण बोर के डॉ नंदिनी डॉ नेहा एमटीए वैभव पाटील, वैभव तलगांवकर ड्राइवर भाई कदम एमटीए योग गुरु राधेश्याम जयसवार जी ने मेडिकल में आकर अपना योगदान दिया कार्यक्रम में आए सभी मेहमान अतिथि गण बहुत ही खुश हुए कार्यक्रम बहुत ही अच्छा चला कार्यक्रम को चलाने के लिए कार्यकर्ता कार्यरत रहे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में विशेष रूप से जितेंद्र झा जी के कार्य के नेतृत्व में राजू भाऊधनकर, सुरेखा कामले अवधेश पासवान, श्री अर्जुन यादव श्रीकांत आवनूर अर्जुन मेघ अजीत जावले प्रवीण सिंह योग गुरु राधेश्याम द हुमन योगा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुंबई अध्यक्ष जितेंद्र झा जी के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

एक ही नाम रावणा राजपूत से हो पहचान हमारीः निशा कंवर गौड़

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भीलवाड़ा में अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह भाटी के नेतृत्व में मेजर दलपत सिंह शेखावत का 104 वां बलिदान दिवस 23 सितंबर को जोधपुर में रावण का चबूतरा मैदान में आयोजित किया जाएगा व मेजर साहब को लाखो समाजबंधु एक साथ श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। जिसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। राष्ट्रीय महासम्मेलन महिला जिला संयोजक निशा कंवर गौड़ ने बताया कि इस महा सम्मेलन को लेकर भीलवाड़ा में महिलाओं को मेजर दलपत सिंह जी की जीवनी के बारे में मातृशक्ति द्वारा बताया जा रहा है। श्रीमती गौड़ ने बताया कि वर्तमान में रावणा राजपूत जाति को हजूरी, वजीर, दरोगा पद सूचक नाम से जाना जाता है ये पद सूचक नामो को हेय दृष्टि से देखा जाता है। इन पर सूचक नामों को राजस्व रिकॉर्ड से विलोपित कर केवल एक ही नाम रावणा राजपूत किया जाए। इस महासम्मेलन में शामिल होने के लिए मातृशक्ति को घर घर जाकर पीले चावल देकर आमंत्रित किया जा रहा है इस आयोजन को सफल बनाने में सुनीता कंवर, लता कंवर, शिल्पा कंवर, लीला कंवर,चंदा कंवर, सुनीता कंवर, मंजू कंवर, सुनीता कंवर, मंजू कंवर, पूजा कंवर, यशस्वी कंवर सहित मातृशक्ति अपनी भूमिका निभा रही है। उक्त जानकारी रावणा राजपूत समाज के युवा नेता एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शिक्षा मंत्री कल्ला ने मुंगथला व खडात प्रधानाचार्य के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिएः धर्मेंद्र गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केंसर पीडित दम्पति सत्यनारायण बैरवा एवं उनकी शिक्षिका पत्नी सविता बैरवा को न्यायालय स्थगन के बावजूद पिछले 3 वर्षो से हैरान परेशान करने वाले मुंगथला एवं खडात प्रधानाचार्य को निलम्बित करने की मांग को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत एवं महामंत्री डॉ.हनवन्तसिंह मेडतिया के नेतृत्व में सैकडो शिक्षकों ने आत्मा सभागार के बाहर शिक्षा मंत्री डॉ.बी.डी कल्ला के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के जिला मंत्री इमामुल हक कुरैशी ने बताया कि प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत के नेतृत्व में सैकडों शिक्षकों ने मुंगथला व खडात प्रधानाचार्य को निलम्बित करने एवं सीबीईओ आबुरोड की लचर कार्यशैली से शिक्षा विभाग के गिरते स्तर को लेकर निलम्बन के लिये जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी के साथ शिक्षा मंत्री को ज्ञापन दिया जिस पर शिक्षा मंत्री ने तत्काल संगठन को दोनो प्रधानाचार्य को निलम्बित करने का आश्वासन दिया। गहलोत ने

शिक्षा मंत्री को बताया कि सरकार विरोधी विचारधारा के शिक्षकों के स्थानान्तरण पर कार्यमुक्त नहीं कर सीबीईओ आबुरोड द्वारा सरकार के आदेशों की अवहेलना करने, एक वर्ष पूर्व सेवा निवृत हुए शिक्षिका राजकुमारी माथुर एवं उषा चौरसिया के पेन्शन प्रकरण के लिए निदेशालय द्वारा नो अपील प्रमाण पत्र जारी करवाने, समस्त प्रकार की डीपीसी प्रक्रिया तीव्र गति से शुरू करवाने, सामाजिक विज्ञान विषय की तृतीय श्रेणी से द्वितीय श्रेणी में पदोन्नति के लिए अतिरिक्त पद आंवटित कर 1994 से वंचित शिक्षकों को पदोन्नति देने, पोषाहार योजना में कुक कम हैल्परों एवं कुकिन्ग कन्वर्जन राशि का तीन-तीन माह की अग्रीम राशि देने के प्रावधानों की कठोरता से पालना सुनिश्चित करवाने, योग्यता अभिवृद्धि की तिथि बढवाने, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गांधीनगर आबुरोड के डीडीओ द्वारा समय से पुर्व उपस्थित शिक्षकों को नोटिस देकर प्रताडित करने वाले डीडीओ के विरूद्ध कार्यवाही करने सहित एक दर्जन समस्याओं के ज्ञापन दिए। जिस पर शिक्षा मंत्री ने संगठन को तत्परता से कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। शिक्षा मंत्री कल्ला के पहली बार सिरोही आगमन पर संगठन द्वारा शिक्षा मंत्री का साफा माला द्वारा स्वागत किया जिस पर शिक्षक हितों के लिए संघर्षशील प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत का शिक्षा मंत्री डॉ.बी.डी.कल्ला ने स्वयं साफा पहनाकर शिक्षक नेता का स्वागत किया। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवेश खत्री, सभाध्यक्ष भगवतसिंह देवडा, उपशाखा सिरोही अध्यक्ष इन्द्रमल खण्डेलवाल, शिवगंज अध्यक्ष छगनलाल भाटी,रेवदर अध्यक्ष विनोद नैनावत, आबुरोड सत्यनारायण बैरवा, रमेश रांगी, विक्रमसिंह सोलंकी, जसवन्तसिंह परमार, छगनलाल कुम्हार, सविता शर्मा, धर्मेन्द्र खत्री, भीखाराम कोली सहित सैकडों पदाधिकारियो की उपस्थिति थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जोधपुर में महासम्मेलन के लिए भीलवाड़ा में रावणा राजपूत मातृशक्ति का हर घर जागरूकता अभियान शुरू

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भीलवाड़ा में रावणा राजपूत समाज द्वारा हाईफा हीरो मेजर दलपत सिंह शेखावत के 104 वे बलिदान दिवस के उपलक्ष में जोधपुर में आयोजित राष्ट्रीय महासम्मेलन के लिए भीलवाड़ा मातृशक्ति द्वारा जिला संयोजक सुरेंद्र सिंह पंवार व ग्रामीण संयोजक हरिकिशन कानावत के निर्देशन में महिला जिला संयोजक निशा कंवर गौड़ व ग्रामीण महिला संयोजक कांता कंवर कारोई के नेतृत्व में मातृशक्ति द्वारा हर घर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं। रावणा राजपूत समाज के युवा नेता एवं एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक

भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जिसके तहत आज रावणा राजपूत मातृशक्ति द्वारा भीलवाड़ा में सुभाष नगर, राजपूत कॉलोनी, आरके कॉलोनी, गायत्री नगर, मारुति कॉलोनी, पालड़ी सहित अन्य कॉलोनियों में घर घर जाकर राष्ट्रीय महासम्मेलन में शामिल होने के लिए मातृशक्ति को आमंत्रित किया जा रहा है व मेजर दलपत सिंह शेखावत के बलिदान के बारे में सभी को अवगत कराया जा रहा है। इस अभियान में चंदा कंवर, सुनीता कंवर, भगवती कंवर, संतोष कवर, संजू कंवर सहित समाज की मातृशक्ति बढ़ चढ़कर राष्ट्रीय महासम्मेलन में समाजबंधुओं व मातृशक्ति को आमंत्रित करने का कार्य कर रही हैं।

पत्रकारों पर दबंगों व माफियाओं का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगाः राठौड़

राजस्थान। राजस्थान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व प्रिंट मीडिया से जुड़े पत्रकारों पर दबंगों व माफियाओं का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चाहे वो किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ हो। यह कहना हैं अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के राजस्थान प्रदेश प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ का। राठौड़ ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता हैं और वो अपनी जान जोखिम में डालकर जनसमस्याओं से प्रशासन को रुबरु करवाता है। ऐसे में दबंगों व माफियाओं का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि पुलिस प्रशासन भी राजनीतिक दबाव में आकर जांच किए बिना पत्रकारों पर झूठे मुकदमें दर्ज करता हैं जो न्याय संगत नहीं है। राठौड़ ने कहा कि पत्रकारों पर झूठे मुकदमें दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट में लड़ाई लड़ी जाएगी। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के राजस्थान प्रदेश प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ ने पत्रकारों से राजस्थान में सबसे बड़े संगठन से अधिक से अधिक संख्या में संगठन से जुड़ने का आह्वान किया हैं। क्योंकि संगठन में ही शक्ति होती हैं। राठौड़ ने कहा राजस्थान सरकार को अतिशीघ्र पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करना चाहिए ताकि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। राठौड़ ने कहा कि अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन देश भर में विभिन्न राज्यों में मजबूती से काम कर रहा है।

'आशिक तेरा होने लगा हूं' गाने का म्यूजिक वीडियो युवा प्रेमीयों के लिए रिलीज

'आशिक तेरा होने लगा हूं' गाने का म्यूजिक वीडियो युवा प्रेमीयों के लिए रिलीज होगी। इस गाने में युवा प्रेमी की प्रेम भावनाओं का इजहार किया जा रहा है। इसदौरान उसे एक खूबसूरत युवती से प्यार हो जाता है। इसी तरह इस गाने में पॉपुलर अभिनेता शादान फारूकी और उर्वी सिंग भी नजर आएंगे। इस गीत का संगीत पूरी तरह से विषय को सही ठहराता है। गाने को राज बर्मन ने बेहद खूबसूरती से गाया है और फहीम अहमद द्वारा लिखा गया है। गाने को संगीत और निर्देशन प्रसिद्ध संगीतकार नितेश तिवारी द्वारा प्रदान किया गया है। अल्ट्रा बॉलीवुड यू ट्यूब चैनल पर इस संगीत वीडियो का आनंद लिया जा सकता है। इसे एक साथ इन पर भी प्रदर्शित किया जाएगा: Gaana, Spotify, JioSaavn, Amazon Music, iTunes, Wynk Music और अन्य प्रमुख म्यूज़िक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म। यह गाना कश्मीर के सुंदर स्थानों पर फिल्माया गयो इसतरह ये संगीत वीडियो एक दिलचस्प लम्हे को दर्शाता है। सिंगल म्यूजिकल पीस में वर्णित, यह क्रमिक रूप से एक संपूर्ण प्रेम कहानी को शुरू

से अंत तक की यात्रा के रूप में दर्शाता है। यह एक युवा प्रेमी की मनोदशा और अपने प्रेमी की सुंदरता से प्रभावित होने वाली कोमल भावनाओं को चित्रित करता है जिसने उसे पूरी तरह से अभिभूत कर दिया है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे उसकी सारी हरकतें उसके विचारों और उसके प्यार के लिए एक युवा प्रेमी के रूप में उसकी तड़प दिख रही हैं। इस वीडियो में प्यार और रोमांस की पहली खिलती संवेदनाओं की बारीकियों को बहुत प्रभावी ढंग से समझाया गया है और सभी दर्शक और श्रोता इस गीत के साथ बहुत गहराई से सुन सकते है। शादान एक प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्रभावकार अभिनेता और मॉडल हैं। उर्वी को टीवीएफ और वेब सीरीज 'कोटा फैक्ट्री' में 'मीनल पारेख' की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। नितेश तिवारी के बारे में : नितेश तिवारी एक भारतीय फिल्म निर्देशक, संगीतकार और लेखक हैं जो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित निर्देशकीय पहली फिल्म 'मचान' के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 70 से अधिक संगीत एल्बमों के लिए रचना की है और इसे टी-सीरीज, जी म्यूज़िक, सारेगामा, शेमारू, वीनस, येलो एंड रेड म्यूज़िक, गाना, आईट्यून्स, हंगामा और कई अन्य प्रसिद्ध प्लेटफार्मों में रिलीज किया है। उन्होंने फिल्म एक आशा, (एक किन्नर) के कुछ हिस्सों का भी निर्देशन किया है, जिन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 22 से अधिक पुरस्कार मिले हैं। उनका हालिया गीत 'दिल फरेबी' बॉलीवुड उद्योग के पासा मारा है और कई प्रशंसा जीत रहा है। श्रीवल्ली फेम जावेद अली ने गाने के लिए प्लेबैक दिया है। उनकी अन्य आगामी परियोजनाएं सूफी रॉक सीजन 2 और एक गजल एल्बम हैं।

वर्तमान परिस्थितियों में पुनः राष्ट्रीय अखण्डता अक्षुण रखनी होगीः राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हैदराबाद विलय दिवस' की 74 वीं वर्षगांठ पर बलिदानी सत्याग्रहियों को आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्जी मंडी दिल्ली में यज्ञ कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि आर्य समाज के आंदोलन के कारण मजबूर होकर 17 सितम्बर 1948 को हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय स्वीकार किया था। आर्य समाज के अन्तर्राष्ट्रीय नेता स्वामी आर्य वेश ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा। निजाम ने आर्य समाज पर कई प्रतिबंध भी लगाये मन्दिरों में घंटी बजाने,ओम ध्वज लगाने और हवन करने पर भी प्रतिबंध लगाये लेकिन आर्य समाज के लंबे चले सत्याग्रह के आगे उन्हें झुकना पड़ा।कांग्रेस सरकार ने आर्य सत्याग्रहियों को ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया व पेंशन भी लागू की।अंग्रेजी सरकार की नजर में उस समय आर्य समाजी होना विद्रोही माना जाता था आज उन बलिदानों को स्मरण करने का दिन है। उस सत्याग्रह में 12000 आर्यों ने जेल भरी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह स्वतंत्रता ऐसे ही नहीं मिल गई इसके लिए वीरों ने अपने बलिदान दिए

हैं आज उन बलिदानियों को स्मरण करके राष्ट्रीय अखंडता को अक्षुण रखने का संकल्प लेना होगा। आर्य समाज राष्ट्र जागरण का देश भर में अभियान चलाएगा। आर्य पुरोहित सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमपाल शास्त्री ने कहा कि आज वीरो के त्याग बलिदान से नई पीढ़ी को अवगत कराना चाहिए जिससे वह आजादी के महत्व को समझे। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेन्द्र भाई ने श्रद्धांजलि यज्ञ से किया। भजनोपदेशक प्रवीण आर्य पिंकी, कुसुम भण्डारी, प्रतिभा सपड़ा, प्रवीण आर्य, (गाजियाबाद), सोनिया संजू आदिवासियों ने ओजस्वी गीत प्रस्तुत किये। उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार के मण्डल के अध्यक्ष ओम सपड़ा ने कहा कि आर्य समाज का पुस्तकों के लेखन एवं बोलने का कार्य अनवरत जारी है। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, गोपाल आर्य, पूर्व पार्षद गुड्डी देवी जाटव, रामचन्द्र आर्य (सोनीपत) ने भी अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से यशोवीर आर्य, डा वरुणेद्र कथूरिया, देवेन्द्र भगत, रामकुमार आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, नेत्रपाल आर्य, सुनील खुराना, सुदेश भगत, रामचन्द्र सिंह, केप्टन अशोक गुलाटी, राधा भारद्वाज, सुशील बाली, प्रेम चन्द शास्त्री, वेद प्रकाश आर्य, के के सेठी, संजीव आर्य,महावीरसिंह आर्य, अरुण आर्य, वरुण आर्य, अंकुर आर्य आदि उपस्थित थेक उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित हुए बुलंदी के कलमकारः विवेक बादल बाजपुरी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान बुलन्दी साहित्यिक सेवा समिति (पंजीकृत राष्ट्रीय स्तर) द्वारा राष्ट्रीय भाषा हिन्दी में काव्य सृजन एवं हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में विशिष्ट अवदान हेतु संस्था के सभी सदस्यों को हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा जी को हिन्दी के प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्था के संस्थापक विवेक बादल बाजपुरी तथा संरक्षक पंकज शर्मा जी द्वारा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए।

समीक्षा,अक्षिता रावत, दीपिका चौहान, नेहा प्रिपाठी, ममता नेगी, पायल पाण्डेय, सलोनी गैरोला, अर्चना पाण्डेय, अंजलि मिश्रा, अनुष्का शर्मा, ईशु भट्ट, अनुश्री भारद्वाज, तथा संस्था के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी गुरूदीन वर्मा जी को हिन्दी के प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्था के संस्थापक विवेक बादल बाजपुरी तथा संरक्षक पंकज शर्मा जी द्वारा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पत्रकारों को धमकाने पर लगेगा जुर्माना, 3 साल तक की हो सकती है जेल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

दिल्ली। हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद पीएम और सीएम का भी ऐलान आया है कि, पत्रकारों से अभद्रता करने वालों पर लगेगा 50,000 हजार का जुर्माना एवं पत्रकारों से बदसलूकी करने पर हो सकती है 3 साल की जेल पत्रकार को धमकाने वाले को 24 घंटे के अंदर जेल भेज दिया जाएगा। पत्रकारों को धमकी के आरोप में गिरफ्तार लोगों को आसानी से नहीं मिलेगी जमानत पत्रकारों को परेशानी होने पर तुरंत संपर्क कर सहायता प्रदान करें और पत्रकारों से मान-सम्मान से बात करें वरना आप को पड़ेगा महंगा। बदसलूकी करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर नही तो एसएसपी पर होगी कार्यवाही पत्रकार नही हैं भीड़ का हिस्सा' पत्रकारों के साथ बढ़ती ज्यादती और पुलिस के अनुचित व्यवहार के चलते कई बार पत्रकार आजादी के साथ अपना काम नही कर पाते हैं, उसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रेस काउंसिल के अध्यक्ष मार्कण्डेय काटजू ने राज्य सरकारों को चेतावनी देते हुए निर्देश भी दिया है कि पुलिस आदि पत्रकारों के साथ बदसलूकी ना करे। किसी स्थान पर हिंसा या बवाल होने की स्थिति में पत्रकारों को उनके काम करने में पुलिस व्यवधान नही पहुँचा सकती। पुलिस जैसे भीड़ को हटाती है वैसा व्यवहार पत्रकारों के साथ नही कर सकती। पुलिसवालों या अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज किया जायेगा। काटजू ने कहाँ कि, जिस तरह कोर्ट में एक अधिवक्ता अपने मुवक्किल का हत्या का केस लड़ता है पर वह हत्यारा नही हो जाता है। उसी प्रकार किसी सावर्जनिक स्थान पर पत्रकार अपना काम करते हैं पर वे भीड़ का हिस्सा नहीं होते। इसलिए पत्रकारों को उनके काम से रोकना मीडिया की स्वतंत्रता का हनन करना है। प्रेस काउन्सिल ने देश के केबिनेट सचिव, गृह सचिव, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिवों व गृह सचिवों को इस सम्बन्ध में निर्देश भेजा है और उसमें स्पष्ट कहा है कि, पत्रकारों के साथ पुलिस या अर्द्धसैनिक बलों की हिंसा बर्दाश्त नही की जायेगी। सरकारें ये सुनिश्चित करें कि, पत्रकारों के साथ ऐसी कोई कार्यवाही कहीं न हो। पुलिस की पत्रकारों के साथ की गयी हिंसा मीडिया की स्वतंत्रता के अधिकार का हनन माना जायेगा जो संविधान की धारा 19 एक ए में दी गयी है और इस संविधान की धारा के तहत बदसलूकी करने वाले पुलिसकर्मी या अधिकारी पर आपराधिक मामला दर्ज होगा।

कैराना में पत्रकार पर हुए हमले की मुजफ्फरनगर के पत्रकारों ने की निंदा

पत्रकार को इंसाफ नही मिला तो होगा आंदोलनः मुशर्रफ सिद्दीकी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

मुजफ्फरनगर। गत दिवस कैराना में कवरेज कर रहे पत्रकार सन्नवर सिद्दीकी पर असामाजिक तत्वों द्वारा हुए जानलेवा हमले की मुजफ्फरनगर के पत्रकारों ने कठोर में निंदा करते हुए,पत्रकार के हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की और चेतावनी दी कि अगर पीड़ित पत्रकार को इंसाफ नही मिला तो होगा आंदोलन।नगर के रूड़की रोड स्थित अमन के सिपाही के कार्यालय पर पत्रकारों के एक बैठक आहूत की गई जिसमें कैराना के पत्रकार सन्नवर सिद्दीकी पर कवरेज के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा हमला करने

की कठोर शब्दो मे निंदा की गई।मीडिया क्लब के अध्यक्ष मुशर्रफ सिद्दीकी ने उक्त घटना पर रोष प्रकट करते हुए कहा कि अगर पत्रकार सन्नवर सिद्दीकी के हमलावरों को जल्द गिरफ्तारी नही की गई तो मुजफ्फरनगर के पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल शामली के उच्च अधिकारियों से मिलेगा और जरूरत पड़ी तो बड़े आंदोलन करने से पीछे नही हटेगा। वही दूसरी निरीक्षक कैराना अनील कप्परवान ने पत्रकार के हमलावरों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वाशन दिया।बैठक में फ्रीडम ऑफ राईटिंग के सम्पादक नदीम त्यागी, लक्ष्मीनगर समाचार के सम्पादक विशु शर्मा, दैनिक यूरेशिया के जिला प्रभारी शाहिद सऊद, दैनिक अमन के सिपाही के उप सम्पादक सय्यद हुसैन, दैनिक अमन के सिपाही के जिला प्रभारी अरशद अब्बासी, मुजफ्फरनगर समाचार के सह-सम्पादक इस्तफा हुसैन आदि पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

कानपुर में नेताओं की वजह से लोगों को अपाहिज बना रही नया मंदिर पनकी वाली सड़क

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। इस महानगर में दर्जनों ऐसी भी सड़कें हैं जो गड्ढों में तब्दील होने के फलस्वरूप लोगों को मौत की दावत देने से भी नहीं चूक रहीं हैं। कुछ ऐसा ही जानलेवा हाल पनकी नये मंदिर के सामने वाली सड़क का भी है, जहां अब तक दर्जनों लोग असमय ही मौत के मुंह में जाने से बचते हुए गंभीर रूप से घायल और अपाहिज भी हो चुके हैं। आवासीय क्षेत्र वाली इस सड़क का यह हाल लगभग 2 साल से है, जिसे देखने से समझ में ही नहीं आता कि गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा। इन्हीं गड्ढों की वजह से यहां लोग आए दिन चोटिल होते रहते हैं। क्षेत्रीय लोगों के मुताबिक इस सड़क को जानलेवा बनाने में सबसे अहम रोल यहां से गुजरने वाले ट्रक जैसे बड़े वाहनों का भी होता है जबकि इस घने आवासीय क्षेत्र से नियमानुसार ट्रकों आदि बडे. वाहनों का आवागमन नहीं होना चाहिए लेकिन इसके बाद भी ट्रकों का लगातार जारी आवागमन न केवल सड़क के गड्ढों को और ज्यादा जानलेवा बना रहा है, बल्कि लोगों को दुर्घटनाओं के रूप में अपनी चपेट में भी ले रहा है, जिसके लिए पहले नंबर पर सर्वाधिक दोषी इसके लिए जिम्मेदार नगर निगम को बताया जा रहा है। जहां तक सड़क में जानलेवा गड्ढों का सवाल है लोगों ने जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक कोई न कोई विभाग अक्सर सड़क को खोद देता है और नगर निगम विभिन्न विभागों द्वारा खोदी गई सड़क को बनवाने के नाम पर पैसा भी जमा करा लेता है लेकिन वह अक्सर खोदी गई सड़क को बनवाता नहीं है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पनकी नए मंदिर के सामने वाली यह जानलेवा गड्ढेदार सड़क है, जो कि लगभग 2 किलोमीटर तक लोगों के लिए मौत की दावत देती साफ नजर आती है। कुल मिलाकर जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों की ही हीलाहवाली, लापरवाही और उदासीनता के फलस्वरूप ही पनकी नए मंदिर वाली जानलेवा गड्ढे में तब्दील यह सड़क लोगों को असमय ही मौत का निमंत्रण देने में सफल है। पीड़ित क्षेत्रीय लोगों के मुताबिक जनप्रतिनिधि नेता तथा अधिकारी इस पर ध्यान इसलिए नहीं देते, क्योंकि मौत का शिकार या फिर दुर्घटनाओं के रूप में गंभीर रूप से घायल और अपाहिज होने वाला उनका कोई अपना नहीं हुआ करता और अगर होता तो पनकी नए मंदिर वाली यह सड़क अब तक न जाने कब बन गई होती।

सद्दाम गुल्लू को कासमपुर में मिल रहा है भारी जनसमर्थन, सद्दाम ने बिगाड़ा सभी प्रत्याशियों का गणित

मुंबई हलचल / फहीम अहमद राज

हरिद्वार। बहादराबाद ब्लॉक के कासमपुर गांव मैं प्रधान प्रत्याशी सद्दाम उर्फ गुल्लू को मिल रहा है भारी जनसमर्थन, ग्राम पंचायत कासमपुर में सद्दाम सभी प्रत्याशियों में काफी मजबूत नजर आ रहे है। बिना किसी निर्वाचित पद में न रहने के बावजूद भी जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का फायदा उन्हें मिल रहा है। इस वजह से ग्राम में उनके पक्ष में बयार बह रही है। पंचायत चुनाव में बहादराबाद ब्लॉक के कासमपुर ग्राम पंचायत का चुनाव इस बार खासा चर्चे में है। यहां बड़े दिग्गज प्रत्याशी चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं, सभी प्रत्याशी ग्रामीणों और मतदाताओं से बड़े बड़े वादे कर रहे हैं, उनको अपने पक्ष में मतदान करने के लिए नए-नए प्रलोभन दे रहे हैं, मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए सभी प्रत्याशी सभी तरह के हथकंडे अपना रहे हैं, लेकिन कासमपुर

ग्राम पंचायत चुनाव की अगर बात की जाए तो यहां पर नजारा अलग है, यहां पर 7 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं और सभी अपनी जीत की दावेदारी कर रहे हैं, लेकिन अब तक के चुनाव में सद्दाम उर्फ गुल्लू सब को पछाड़ते हुए नजर आ रहे हैं, सद्दाम उर्फ गुल्लू इस समय चुनाव में सबसे आगे नजर आ रहे हैं, ग्रामीणों में सद्दाम को प्रधान बनाने के लिए भारी उत्साह नजर आ रहा है, ग्रामीणों के उत्साह की वजह से सद्दाम ने सभी प्रत्याशियों का गणित बिगाड़ दिया है, ग्रामीणों का कहना है कि सद्दाम जनहित और ग्राम के विकास के प्रति सकारात्मक सोंच रखने वाले हैं प्रत्याशी हैं, सद्दाम ग्रामीणों के साथ उनके सुख दुख में हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े रहते हैं, बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखते हैं दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी लोगों का सम्मान करते हैं, यही वजह है ग्राम पंचायत चुनाव में सद्दाम को प्रधान बनाने का उत्साह नजर आ रहा है, और ग्रामीणों का पूरा जनसमर्थन मिलता हुआ दिख रहा है। वही प्रधान प्रत्याशी सद्दाम उर्फ गुल्लू ने सभी ग्रामीणों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए वादा किया है कि मैं गांव का सवार्गीण विकास करूंगा गांव में बीना किसी भेदभाव के सभी लोगों का ध्यान रखूंगा, गांव में जो भी समस्या है जैसे सड़क पानी बिजली विधवा पेंशन वृद्धा पेंशन विकलांग पेंशन राशन कार्ड आदि सभी कार्यों को अंजाम दूंगा।

क्षत्रिय रावत राजपूत परिषद की मीटिंग आगामी 20 सितंबर को भीम में आयोजित होगी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। क्षत्रिय रावत राजपूत परिषद की प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक आगामी 20 सितंबर मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे भीम के समीपवर्ती मिनी पुष्कर ग्राम आमनेर मे आयोजित होगी। प्रदेश मीडीया प्रभारी हुकम सिंह मण्डावर ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि बैठक मे राजसमंद, उदयपुर,पाली व भीलवाड़ा, अजमेर परिषद के पदाधिकारी भाग लेंगे जहां पूर्व एवं नवगठित कार्यकारीणी के पदाधिकारियों का परिचय व संगठन के आगामी कार्य योजना के लिए विचार विमर्श होगा। मीटिंग में संगठन के संस्थापक ठाकुर सतवीर सिंह लगेतखेड़ा, संगठन के संरक्षक एवं मार्गदर्शक पृथ्वी सिंह भोजपुरा, प्रदेशाध्यक्ष ऐडवोकेट हेमेंद्र सिंह भीम सहित संगठन के सभी प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। मीटिंग मे भोजन प्रसादी भी रखी गयी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हेल्दी और फिट रहने के लिए करें इन मुरब्बों का सेवन

लोग शरीर को सेहतमंद रखने के लिए फ्रैश फ्रूटस का सेवन तो करते ही हैं अगर विटामिन-सी, आयरन, फाइबर, फास्फोरस और प्रोटीन से भरपूर मुरब्बे का इस्तेमाल किया जाए तो यह सेहत के लिए और भी ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। इसे खाने से आपको काम करते हुए थकावट भी नहीं होगी और साथ ही में आपके शरीर में पूरा दिन ऊर्जा भी बनी रहेगी। फलों का मुरब्बा आपके शरीर को हैल्दी रखने के साथ कई तरह के रोगों से भी बचाता हैं। मौसम के अनुसार ही इसका प्रयोग करना चाहिए। आज हम आपको शरीर को हेल्दी रखने के लिए विभिन्न प्रकार के मुरब्बों से होने वालें लाभों के बारे में बताएगें।

1. आंवले का मुरब्बा

इसमें विटामिन-सी, आयरन और फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। दिन में 1 या 2 मुरब्बे का सेवन करना चाहिए। यह आपके शरीर को कब्ज, बवासीर, जलन, बढे हुए पित्ते, चमड़ी रोगों से बचाता है। अगर आपको बहुत ही ज्यादा गुस्सा आता है तो 2 मुरब्बे जरूर खाएं। इसके अलावा यह आपके शरीर में पूरा दिन ऊर्जा बनाए रखेगा।

2. सेब का मुरब्बा

जिन लोगों को मोटापे और रात को नींद न आने की समस्या है। उनके लिए सेब का मुरब्बा बहुत ही फायदेमंद है। इसमें आयरन, फास्फोरस, प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन-बी बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करने से पूरा दिन शरीर में ठंडक बनी रहती है। यह आपको कई प्रकार के रोगों से भी बचाता है।

3. गाजर का मुरब्बा

गाजर खाना तो सेहत के लिए वैसे भी बहुत फायदेमंद होती है अगर इसका मुरब्बा मिल जाए तो इसकी पौष्टिकता और भी बढ़ जाती है। इसके सेवन से डिप्रेशन की समस्या से राहत मिलती है। इसमें आयरन और विटामिन-ई भरपूर मात्रा में पाया जाने के कारण यह आंखो की रोशनी बढ़ाने में बहुत ही मददगार है। यह पेट की गैस और जलन जैसे रोगों को जड़ से खत्म करता है।

4. बेल का मुरब्बा

बेल के मुरब्बे में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। यह शरीर को दिमाग और हृदय रोगों से बचाता है। इसके अलावा यह पेट की समस्याओं जैसे एसिडिटी, अल्सर और कब्ज आदि को भी खत्म करता है।

सूखे Eyeliler का इस तरीके से करें इस्तेमाल, मिलेगा परफेक्ट लुक

आईलाइनर लड़कियों के मेकअप का जरूरी हिस्सा बन गया है। पार्टी, फंक्शन हो या केजुअल लुक खुद को परफेक्ट दिखाने के लिए लड़कियां आईलाइनर जरूर लगाती है। कोई मेकअप किया हो या न हो, सिर्फ आईलाइनर लगाने से ही चेहरे की पूरी लुक बदल जाती है। अक्सर लड़कियां आईलाइनर सूखने के बाद उसे फैंक देती है लेकिन इसे फैंकने के बजाए आप इसका इस्तेमाल आईब्रोज को खूबसूरत बनाने के लिए कर सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह अपने सूखें आईलाइनर का इस्तेमाल करके आप अपनी आईब्रोज को सुंदर बनाकर खुद को ग्लैमर लुक दे सकती है। तो चलिए जानते है सूखें लाइनर से आईब्रोज को सुंदर बनाने का तरीका।

ऐसे करें सूखे आईलाइनर का इस्तेमाल

सबसे पहले को अपनी आईब्रोज स्पूली से कोम्ब करे सूखा लें। इसके बाद लाईनर से आईब्रोज की बेस पर लाइन ड्रॉ करके उंगलियों से इसे स्मज करें। स्मज करने के बाद स्पूली से आईब्रोज हेयर को नीचे की तरफ कोम्ब करके टॉप बेस पर लाइन ड्रॉ करें। इसके बाद लाईनर को बालों पर अच्छी तरह लगाएं। आखिर में स्पूली से आईब्रोज हेयर को अच्छी तरह कोम्ब करके शेप दें। शेप देने के बाद बाकी जगहें पर ब्रोज पाउडर लगाकर स्मज करें। आप इसे हाईलाइट करने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

जापानी लोगों की ये आदतें उन्हें रखती हैं Fit and Slim

जापान में लड़कियों की खूबसूरती दुनिया भर में मशहूर है। बढ़ती उम्र का असर मानों उनके सामने रूकने के लिए डरता हो। जापान में 30 साल की औरतों के चेहरे का निखार 18 साल की कमसीन लड़की जैसा होता है। 40 की उम्र में उन महिलाओं के चेहरे की खूबसूरती 25 साल की जवां लड़की की तरह नेचुरल ग्लो करती है। इसके पीछे का कारण उनका लाइफस्टाइल और हैल्दी डाइट है। आप भी उनकी तरह नैचुरल निखार पाना चाहते हैं तो फॉलों करे उनके ये ब्यूटी सीक्रेट्स।

1. बैलेंस डाइट

जापान के लोग मौसम के हिसाब से खनिज पदार्थों को अपने आहार में शामिल करते हैं। मछली,सी फूड,सोया,चावल,फ्रूट और ग्रीन टी आदि खाने में अलग-अलग तरह की डाइट लेते है। जिनसे उनके शरीर में किसी पोषक तत्व की कमी नहीं रहती और वह स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा उनके नेचुरल निखार का कारण हाई कैलोरी और जंक फूड से दूर रहना भी है। सर्दियों में मीट,मछली,गर्म ड्रिंक्स और सूप को खाने में शामिल करते हैं, गमीयों में सी फूड,सलाद के अलावा मौसमी सब्जियों को अहमियत देते हैं।

2. खाना बनाने का खास तरीका

खाना बनाने की तकनीक भी जापानी महिलाओं का खुबसूरती का खास कारण है। कम तेल में स्टिम के साथ खाना पकाने से सब्जियों को न्यूट्रिशियंस बरकरार रहते हैं। जिससे बॉडी के साथ-साथ स्किन को भी पूरी तरह से विटामिन्स मिलते रहते हैं। इसके अलावा खाने में मसालों का सावधानी से इस्तेमाल पेट,लिवर,किडनी आदि को स्वस्थ रखने का काम करता है। जिससे उनके चेहरे की खूबसूरती भी बढ़ती जाती है।

3. खाना खाने का सलीका

खाना खाने का सलीका भी उनकी खूबसूरती बढ़ाने में बेहद कारगर है। जापानी लोग धीरे-धीरे चबाकर खाना खाते हैं। जिससे पेट से जुड़ी समस्याएं दूर रहती है। जिससे चेहरे पर भी निखार आता है।

4. चावल और कम नमक

जापान के लोग ज्यादा मसालेदार खाना खाने की बजाए कम नमक का खाना पसंद करते हैं। इसके साथ ही वह अपने खाने में चावल का भी इस्तेमाल करते हैं। जो उन्हें स्लिम ट्रिम रखने में मदद करते हैं।

5. संतुलित नाश्ता

जापानी लोग नाश्ते को खास अहमियत देते हैं। सुबह वे मछली,चावल,आमलेट,सूप, सोया,सीफूड आदि को खाने में शामिल करते हैं।

सेहत के लिए फायदेमंद है दिन में २ गिलास Alcohol का सेवन

आजकल तो लोग अक्सर पार्टी या ऐसे ही अल्कोहल का सेवन करने है। कुछ लोगों को तो शराब पीना बहुत पसंद होता है। अक्सर आपने सुना होगा शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है लेकिन क्या आप जानते है सही मात्रा में इसका सेवन सेहत के लिए अच्छा होता है। हाल ही एक रिसर्च में बताया गया है कि दिन में 2 गिलास वाइन का सेवन अल्जाइमर बीमारी को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा यह सेहत ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

इस रिसर्च में बताया है कि कुछ मात्रा में शराब या वाइन का सेवन दिमाग से टॉक्सिक को बाहद निकालता है, जोकि अलजाइमर के मरीजों के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा इसे पीने से दिल के रोग और कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। अमेरिका में यनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर की मैकेन नेडरगार्ड ने बताया कि लगातार लंबे समय और पूरा दिन इसका सेवन सेहत को नुकसान पहुंचाता है लेकिन दिन में 2 गिलास अल्कोहल का सेवन फायदेमंद होता है।

वाइन या दूसरी अल्कोहल का सेवन मेटाबॉलिज्म सही करके वजन कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इससे अनिद्रा, मुंह की बदबू, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल, शरीर की सूजन, पाचन शक्ति मजबूत और पेट की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

MUMBAI HALCHAL दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच लेगा उजागर

मुंबई, सोमवार, 19 सितंबर, 2022

दुबई (अरबी) : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सात अमीरातों में से एक है। यह फारस की खाड़ी के दक्षिण में अरब प्रायद्वीप पर स्थित है। दुबई नगर पालिका को अमीरात से अलग बताने के लिए कभी कभी दुबई राज्य बुलाया जाता है। दुबई, मध्य पूर्व के एक वैश्विक नगर तथा व्यापार केन्द्र के रूप में उभर कर सामने आया है। लिखित दस्तावेजों में इस शहर का अस्तित्व संयुक्त अरब अमीरात के गठन से 150 साल पहले होने का जिक्र है।

दुबई सपनो का शहर

बड़ी इमारतें, चमकते बीच, स्टाइल का दम, बड़ी गाड़ियाँ, कसीनो, खूबसूरत रेस्तराँ और भी बहुत कुछ। एक समृद्ध और अच्छी कमाई करने वाले देश में ये सब आम बातें है। ऐसा नहीं कि इस समृद्ध देश में सिर्फ. अरबखरबपतियों के लिए ही जगह है। यहाँ सबके लिए कुछ न कुछ है। दुबई में आपको आने में भी कोई समस्या नहीं होगी। अगर आप अमेरिका का वीजा या ग्रीन कार्ड रखते हैं और भारत के नागरिक हैं, तो इस जगह आने के लिए आपको वीजा ऑन अराइवल की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके साथ ही, संयुक्त राज्य अमीरात की सरकार के एप्प के जरिए वीजा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अगर आप अमीरात की फ़्लाइट से आ रहे हैं तो दुबई वीजा प्रोसेसिंग सेन्टर (डीवीपीसी) एप्प पर ई-वीजा भर सकते हैं। आप इसमें 4 दिन, 30 दिन या 90 दिन के लिए वीजा का आवेदन कर सकते हैं। बस इस एप्प पर अपना पीएनआर नंबर, अपना ई-मेल और कुछ जरूरी सूचनाएँ भरें। अधिकतम 4 दिन में आपका ई-वीजा बनकर तैयार हो जाएगा।

दुबई में क्राइम 0 प्रतिशत है, तभी इसे दुनिया का सबसे सुरक्षित देश माना जाता है

दुबई कैसे पहुँचें: दुबई उन शहरों में है जहाँ के लिए आपको दुनिया के किसी भी बड़े शहर से फ़्लाइट मिल जाएगी। दुबई का हवाई अड्डा दुनिया के सर्वाधिक व्यस्त हवाई अड्डों में है। यहाँ आने के लिए आप फ़्लाइट ले सकते हैं। फ़्लाइट आपको दिल्ली, मुंबई, चेन्नई या दूसरे किसी बड़े शहर से मिल जाएगी।

दुबई कैसे घूमें: अगर पैदल घूमना चाहते हैं तो बहुत समस्या होने वाली है। लेकिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के ढेरों विकल्प आपके पास मौजूद हैं। मीटर टैक्सी, मेट्रो, मोनोरेल, पब्लिक बसें, वॉटर बसें और लकड़ी वाली बसें भी चलती हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर के लिए आपको एनओआई कार्ड रीचार्ज कराना होगा।

संयुक्त अरब अमीरात के लिए वीजा के नियम: अमेरिका, बहरीन, ओमान, कुवैत, कतर और सउदी अरब के नागरिकों को संयुक्त वीजा आवेदन की जरूरत नहीं है। बस पासपोर्ट होना चाहिए और रिटर्न टिकट। गैर वीजा ऑन अराइवल की सुविधा है।

दुबई में घर में शराब रखने के लिए लाइसेंस लेना जरूरी होता है, लाइसेंस के बिना घर में शराब पीने की इजाजत नहीं है

दुबई कई अभिनव बड़ी निर्माण परियोजनाओं और खेल आयोजनों के माध्यम से दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है।

Dilshad S. Khan
(EDITOR)
MUMBAI HALCHAL (DAILY NEWSPAPER)
President - ABMMSS
(Vice President - ABPSS)